

गणनाथ से हटकर मन

गणनाथ से हटकर मन कही जाता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं है,
गणनाथ से हटकर मन कही जाता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
गणनाथ से हटकर मन कही जाता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं है।

भक्तों की आशाओं को जो पूरी करते,
रिद्धि सिद्धि से वरदायक झोली भरते,
रौशनी से भर दिये आँखों के दिये,
ना उम्मीदें जीने की थी वो भी हैं जिये,
अनहोनी को होनी करते देवा यहाँ,
इनके दर पे आके झुकता सारा जहाँ,
झुकता सारा जहाँ..
इनके चरणों में दिल घबराता नहीं है,
इनके चरणों में दिल घबराता नहीं है,
गणनाथ से हटकर मन कही जाता नहीं है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
गणनाथ से हटकर मन कही जाता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं है।

आते हैं सवाली कई सवाल लिये,
संग कई उलझनों के जाल लिये,
अंतर्यामी ने सबको जवाब दिये,
आये जो भी लौटे नये ख्वाब लिये,
अपनी करली का कर ले इकरार यहाँ,
इस मंदिर जैसा मिलता दरबार कहाँ,
दरबार कहाँ..
दिल खोलने में कोई शर्माता नहीं है,
दिल खोलने में कोई शर्माता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है,
जहाँ गणराया हो वहाँ विघ्न आता नहीं है,
उन बिन कोई दुखहर्ता कहलाता नहीं है,
है सुख कही अगर समझ लो यही है।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24455/title/gannaath-se-hatkar-man>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |